

प्रिय,

अर्जुन सिंह,
उद्योग अभियंता,
उत्तरांचल शासन।

संबंध में,

तहानिदेशक,
शिक्षित स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तरांचल, देहरादून।

विषय: अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक : १३ मार्च, 2005

विषय: प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डामटा जनपद उत्तरकाशी के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपकी पत्र सं०-एच/पीओसी/34/2002/29536 दिनांक 23.12.2004 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय द्वारा वित्तीय वर्ष 2004-05 में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डामटा जनपद उत्तरकाशी, के भवन निर्माण हेतु ₹० 59,12,000.00 (₹० अठ्ठातीस लाख बारह हजार मात्र) की लागत पर प्रशासनिक तथा वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष में ₹० 14,00,000.00 (₹० चौदह लाख मात्र) की धनराशि के व्यय की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तानुसार प्रदान करते हैं।

1- एकत्रित प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त कर लें।

2- कार्य करते समय संबंधित विभाग के स्वीकृत विनियमों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाये। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी का होगा।

3. उक्त धनराशि तत्काल आहरित की जाएगी तथा तत्पश्चात निर्माण इकाई, उपरो समाज कल्याण निर्माण निगम, उत्तरांचल, को उपलब्ध कराई जाएगी। स्वीकृत धनराशि का उपभोग प्रत्येक बरा में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा।

4. स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित बाउचर सही एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जाएगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तानुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों में बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

5- आगमन में उल्लिखित दरों का विवरण सम्बन्धित विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों में जो दरें सिविल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से भी लगे नहीं हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक होगा।

6- कार्य करते से पूर्व विस्तृत आगमन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राथमिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राथमिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाए।

7- कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।

8- एक नुस्त प्राविधान को कार्य करते से पूर्व विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति ले करना आवश्यक होगा।

- 9- कार्य करने से पूर्व सनस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक जनिक विभाग द्वारा प्रचलित बटो/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 10- कार्य करने से पूर्व स्थल का भूतल भौतिक निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवसर करा ले। निरीक्षण के पश्चात् आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।
- 11- आगमन में जिन नवीं छतु को राशि स्वीकृत की गयी है, उसी नद पर व्यव किया जाए, एक नद का दूसरी नद में व्यव कदापि न किया जाए। निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से परीक्षण करा ही जाय, उपयुक्त पाये जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।
- 12- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आठ्ठा प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध कराई जायेगी। यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्मित किया गया है।
- 13- निर्माण के समय यदि किसी कारणवश यदि परिकल्पनाओं/विशिष्टियों में बदलाव आता है तो इस बात में शासन की पूर्ण स्वीकृति आवश्यक होगी।
- 14- निर्माण कार्य से पूर्व भौतिक के भू-भाग की गणना आवश्यक है, नीच के भू-भाग की गणना के आधार पर ही भवन निर्माण किया जाय।
- 15- उक्त भवन के अधूरे/निर्माणाधीन कार्यों को शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए उन्मत्तक निर्व्यय की उपलब्धता के आधार पर नये कार्य प्रारम्भ किया जाए।
16. जयपुर मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, स्टोर प्रचैज रूलस, डी.जी.एस.एन.डी. की दरे अथवा टेंडर/कोटेशन विधियों के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों का अनुपालन किया जाए।
17. धनराशि का आहरण/व्यय आवश्यकतानुसार एवं निरव्ययता को ध्यान में रखकर किया जाए।
- 18- निर्माण कार्य जून 2006 से पूर्व पूर्ण कर लिया जाए।
- 19- उक्त व्यय वर्ष 2004-05 के आय-व्यय में अनुदान संख्या -12 के लेखाशीर्षक 4210 -शिक्षिता तथा लोक स्वास्थ्य पर भूजीगत परिव्यय - आयोजनागत -02 ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाये,
- 105- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 91-जिला योजना, 102-नये प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के भवनों का निर्माण (सामान्य) (विस्तार अंश) 24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 20- यह आदेश वित्त विभाग के अशुभ 80 सं0- 1430/वित्त अनुभाग-2/2004 दिनांक 20.3.05 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

लेखक - बरौदार

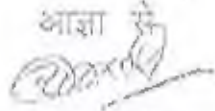
भवरोय,

(अशुभ सिंह)

संयुक्त सचिव

प्रतिपक्षित निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महारोखाभार, उत्तरांचल, गाजरा, देहरादून।
2. निर्देशक, कोषागार उत्तरांचल, देहरादून।
3. मुख्य विनियन्ताधिकारी, उत्तरांचल।
4. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
5. क्षेत्रीय प्रबंधक, उ०प्र० समाज कल्याण निर्माण निगम उत्तरांचल।
6. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री।
7. वित्त अनुभाग-2
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(अर्जुन सिंह)
संयुक्त सचिव